# विश्व के प्रमुख भाषा परिवार

भारोपीय परिवार या भारत-यूरोप परिवार -

सेमेटिक-हैमेटिक परिवार -
सूडानी भाषा परिवार -
नाइजर-कांगो परिवार -
यूरल-अल्टाइक परिवार -

द्रविड़ भाषा परिवार -
चीनी-तिब्बती परिवार -
आस्ट्रो-एशियाटिक परिवार -

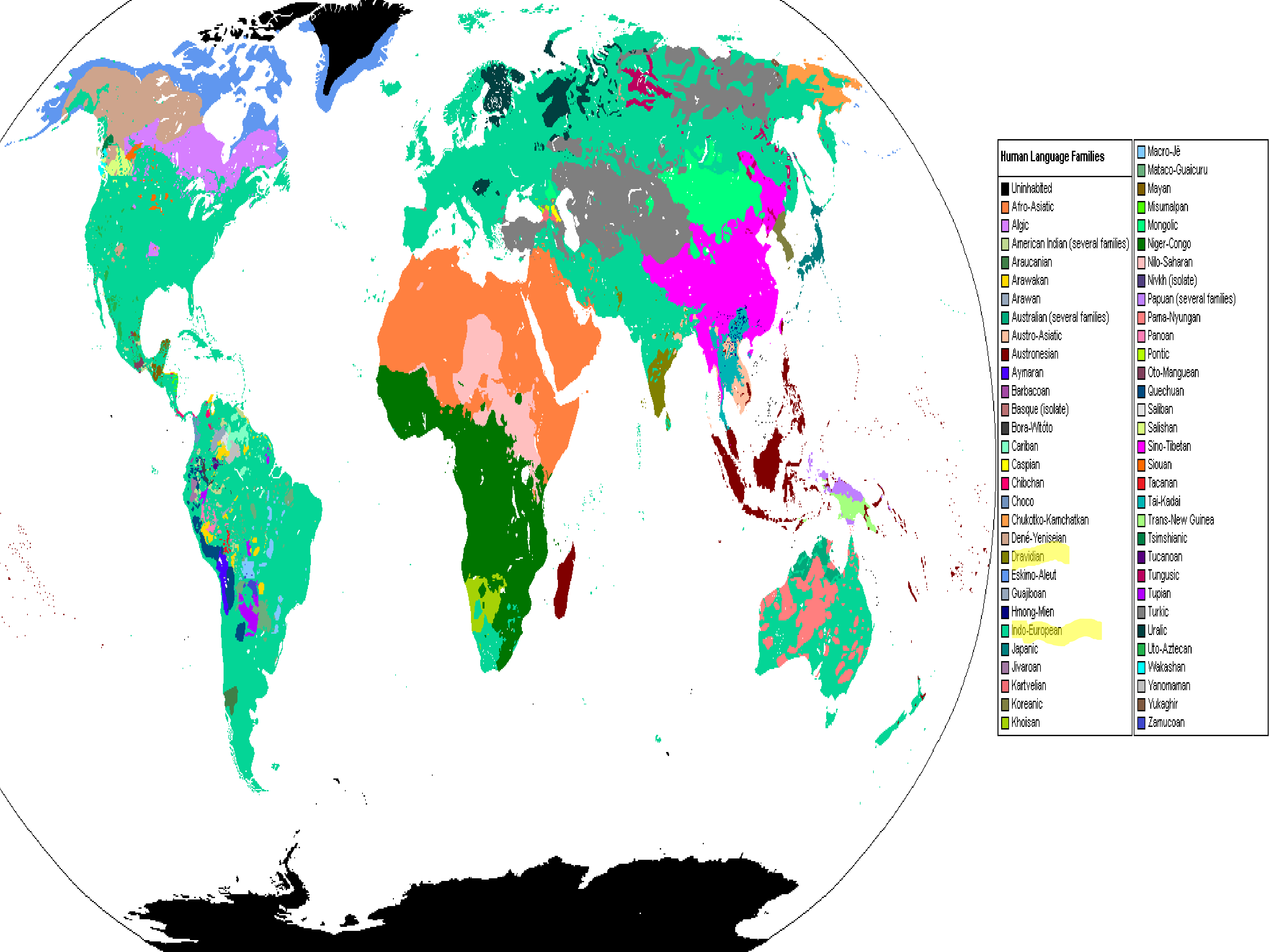
Human Language Families
Uninhabited
Afro-Asiatic
Algic
American Indian (several families)
Araucanian
Arawakan
Arawan
Australian (several families)
Austro-Asiatic
Austronesian
Aymaran
Barbacoan
Basque (isolate)
Bora-Witóto
Cariban
Caspian
Chibchan
Choco
Chukotko-Kamchatkan
Dené-Yeniseian
Dravidian
Eskimo-Aleut
Guajiboan
Hmong-Mien
Indo-European
Japanic
Jivaroan
Kartvelian
Koreanic
Khoisan
Macro-Jê
Mataco-Guaicuru
Mayan
Misumalpan
Mongolic
Niger-Congo
Nilo-Saharan
Nivkh (isolate)
Papuan (several families)
Pama-Nyungan
Panoan
Pontic
Oto-Manguean
Quechuan
Saliban
Salishan
Sino-Tibetan
Siouan
Tacanan
Tai-Kadai
Trans-New Guinea
Tsimshianic
Tucanoan
Tungusic
Tupian
Turkic
Uralic
Uto-Aztecan
Wakashan
Yanomaman
Yukaghir
Zamucoan

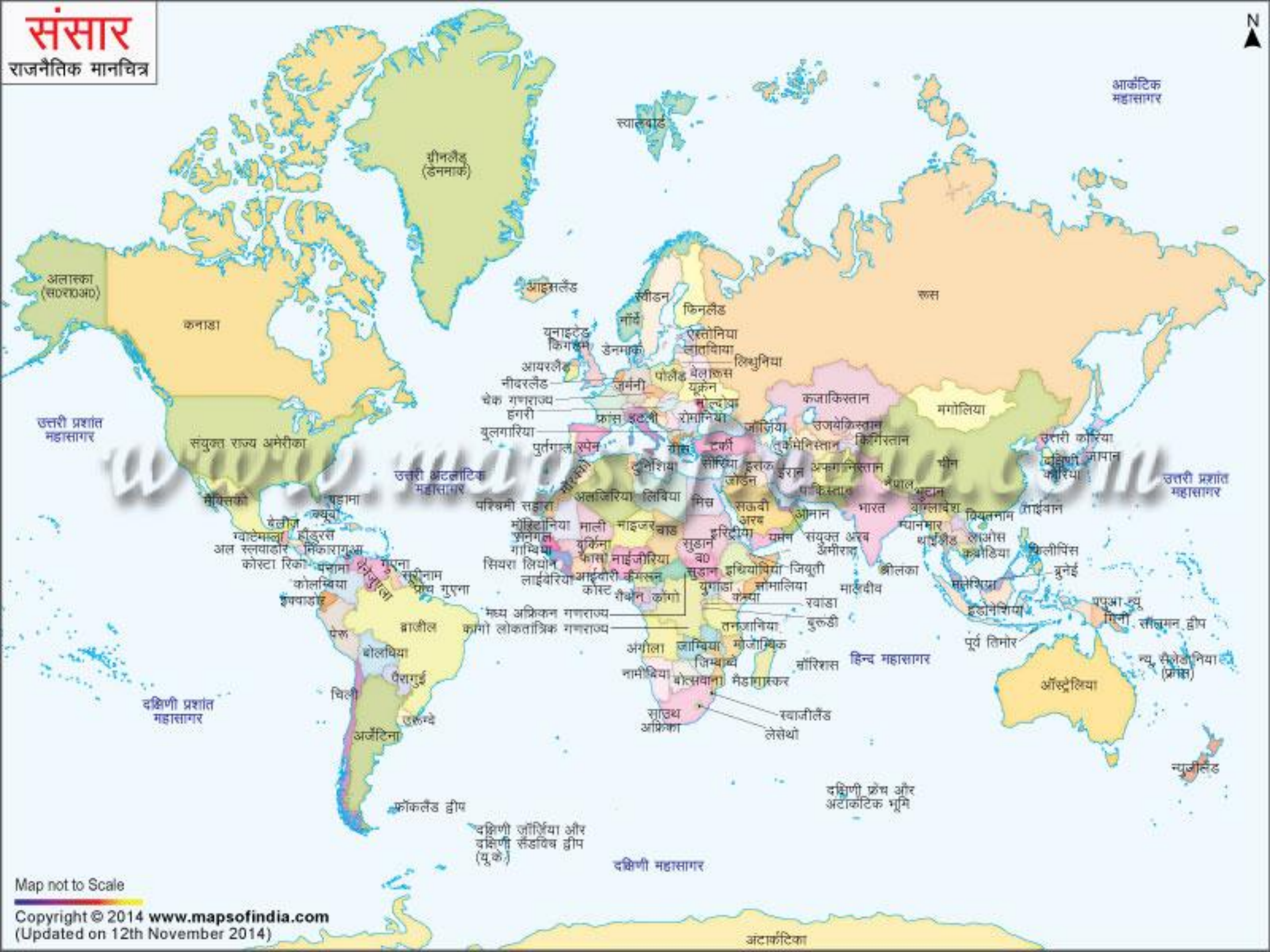


Copyright © 2014 www.mapsofindia.com
(Updated on 12th November 2014)

द्रविड़ परिवार

भौ.स्थान-

केराला,तमिल,आन्ध्रा,श्रीलंका,
पाकिस्तान का कुछ भाग

भाषाएँ-

तमिल,तेलुगु,मलियालम,
कन्नड़

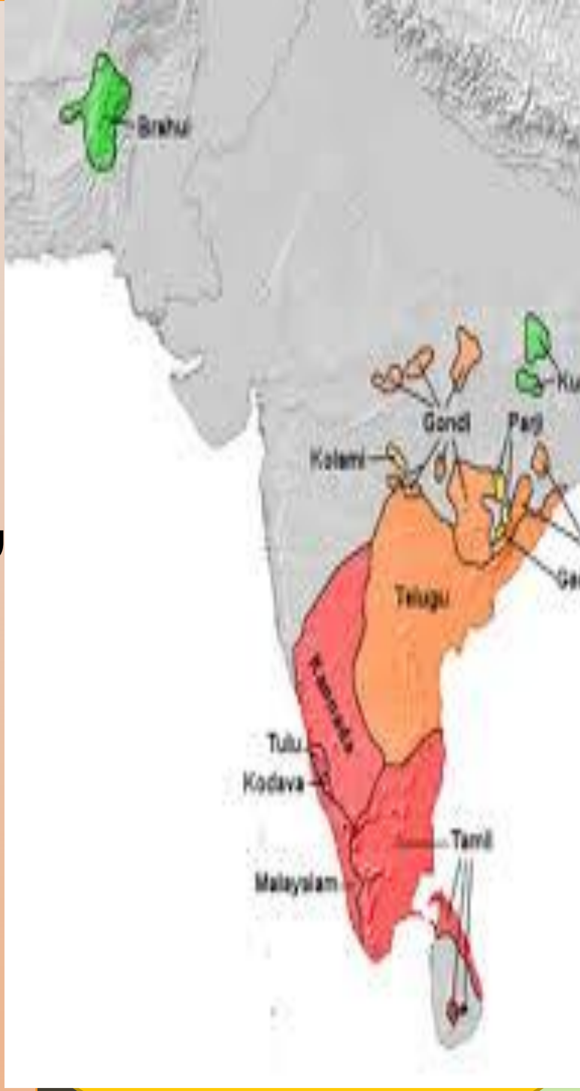


द्रविड़ परिवार

# द्रविड़ भाषा परिवार-

- भारत का दूसरा सबसे बड़ा भाषायी परिवार है।
- भाषायें ज्यादातर दक्षिण भारत में बोली जाती हैं। सबसे बड़ा सदस्य तमिल है जो तमिलनाडु में बोली जाती है।
- कर्नाटक में कन्न्ड़, केरल में मलयालम और आंध्रप्रदेश में तेलुगू इस परिवार की बड़ी भाषायें हैं।
- तुलू और अन्य कई भाषायें भी इस परिवार की मुख्य सदस्य हैं।
- अफ़गानिस्तान, पाकिस्तान और भारतीय कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में इसी परिवार की ब्राहुई भाषा भी बोली जाती है जिसपर बलूची और पश्तो जैसी भाषाओं का असर देखने को मिलता है।

# द्रविड़ भाषा परिवार-

भाषा-परिवार भारत में बोलने वालों का-%

भारोपीय - 73%
द्रविड़ - 25%
आस्ट्रिक - 1.3%
चीनी–तिब्बती - 0.7%

•

# द्रविड़ भाषा परिवार-

- तमिल-
- प्राचीन तमिल से लेकर आधुनिक तमिल में उत्कृष्ट साहित्य की रचना हुयी है।
- तमिल साहित्य कम से कम पिछ्ले दो हज़ार वर्षों से अस्तित्व में है।
- जो सबसे आरंभिक शिलालेख पाए गए है वे तीसरी शताब्दी ईसापूर्व के आसपास के हैं।
- तमिल साहित्य का आरंभिक काल, संगम साहित्य, ३०० ईपू - ३०० ईस्वीं का है।

• तमिल-

• भारत, श्रीलंका, सिंगापुर, मलेशिया और अन्य देशों में तमिल अप्रवासियों द्वारा।

**कुल बोलने वाले**

६.८ करोड़ (मातृभाषा) ७.७ करोड़ (कुल)

• द्राविड़ भाषा परिवार की प्राचीनतम भाषा

• २५०० वर्षों से अविरत रूप से आज तक जीवन के सभी क्षेत्रों में व्यवहृत है।

• ईसा से कई सौ वर्ष पहले ही सुसंकृत और सुव्यवस्थित हो गई थी।

• निघण्टु में तमिल शब्द का प्रयोग 'मधुर' अर्थ में हुआ है। द्राविड़ शब्द से तमिल शब्द की उत्पत्ति मानकर द्राविड़ > द्रविड़ > द्रमिड > द्रमिल > तमिल आदि

# द्रविड़ भाषा परिवार-

- तेलुगु-

•**तेलुगु भाषा** भारत के आंध्र प्रदेश राज्य की मुख्यभाषा और राजभाषा है।यह भाषा आंध्र प्रदेश के अलावा तमिलनाडु, कर्णाटक, ओडिसा और छत्तीसगढ राज्यों मे भी बोली जाती है।

•तेलुगु के तीन नाम प्रचलित हैं -- "तेलुगु", "तेनुगु" और "आंध्र"।

•तेलुगु शब्द का मूलरूप संस्कृत में "त्रिलिंग" है। इसका तात्पर्य आंध्र प्रदेश के श्रीशैल के मल्लिकार्जुन लिंग, कालेश्वर और द्राक्षाराम के शिवलिंग से है। इन तीनों सीमाओं से घिरा देश त्रिलिंगदेश और यहाँ की भाषा त्रिलिंग (तेलुगु) कहलाई।

स्वरांत भाषा होने के कारण तेलुगु संगीत के लिये अत्यंत उपयुक्त मानो गई है।
सुमधुर भाषा अत: कर्नाटक संगीत में 90 प्रतिशत शब्द तेलुगु के पाए जाते हैं

- आजकल 75 प्रतिशत संस्कृत शब्दों का सम्मिश्रण है। इसकी मधुरता का मूल कारण संस्कृत तथा तेलुगु का (मणिस्वर्ण) संयोग ही है।
- तेलुगु लिपि मोतियों की माला के समान सुंदर प्रतीत होती है। अक्षर गोल होते हैं। तेलुगु और कन्नड़ लिपियों में बड़ा ही सादृश्य है।
- तेलुगु साहित्य का विभाजन (1) पुराणकाल, (2) काव्यकाल, (3) ह्रासकाल और (4) आधुनिककाल

कन्नड़-

**बोली जाती है**

कर्णाटक, भारत, संयुक्तराज्य, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, संयुक्त राजशाही, संयुक्त अरब अमीरात के समुदाय

**क्षेत्र**

कर्णाटक, केरल, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, गोआ,तमिल नाडु .

**कुल बोलने वाले**

६ करोड़ निवासी (२००१, मात्र भारत में), ९० लाख की द्वितीय भाषा

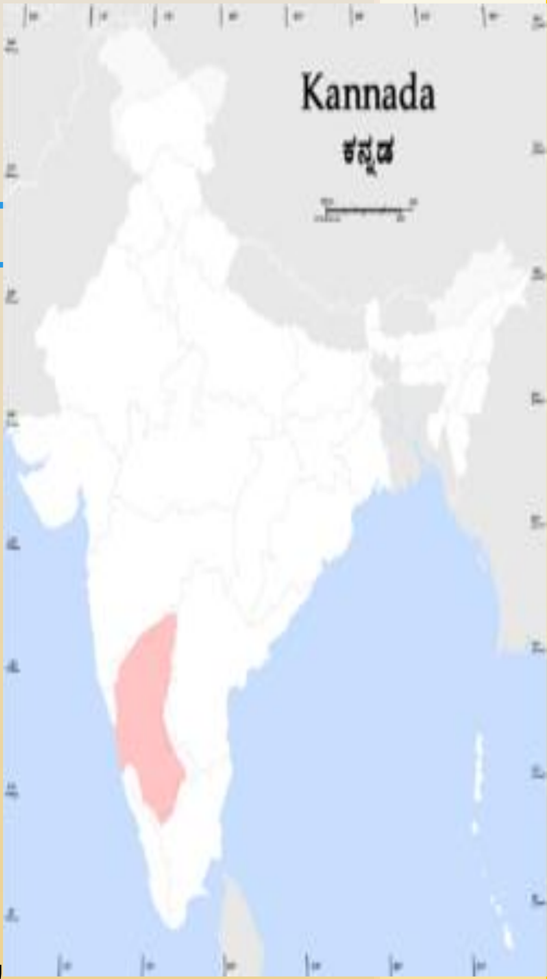


भारत के कर्नाटक राज्य में बोले जानेवाली भाषा है और कर्नाटक की राजभाषा है।

- विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली ३० भाषाओं की सूची में २७वें स्थान पर आती है।
- कन्नड भाषा कुछ २५०० साल से उपयोग में है। कन्नड लिपि कुछ १९०० साल से उपयोग में है। कन्नड अन्य द्रविड़ भाषाओं की तरह है। तेलुगु, तमिल और मलयालम इस भाषा से मिलतेजुलते है।
- कन्नड तथा कर्नाटक शब्दों की व्युत्पत्ति के संबंध में यह मत है कि "कंरिदुअनाडु" अर्थात् "काली मिट्टी का देश" से कन्नड शब्द बना है तो "कपितु नाडु" अर्थात् "सुगंधित देश" से "कन्नाडु" और "कन्नाडु" से "कन्नड" की व्युत्पत्ति हुई है।
-

•रामायण-महाभारत-काल में भी कन्नड बोली जाती थी, तो भी ईसा के पूर्व कन्नड का कोई लिखित रूप नहीं

• प्रारंभिक कन्नड का लिखित रूप शिलालेखों इन शिलालेख में हल्मिडि नामक स्थान से प्राप्त सबसे प्राचीन है, जिसका रचनाकाल 450 ई. है।

• कन्नड भाषा के विकासक्रम की चार अवस्थाएँ-

•अतिप्राचीन कन्नड (आठवीं शताब्दी के अंत तक )

•हळ कन्नड–प्राचीन कन्नड (12वीं शताब्दी )

•नडु गन्नड मध्ययुगीन कन्नड (१९वीं शताब्दी तक)

होस गन्नड–आधुनिक कन्नड (१९वीं शताब्दी )

मलयाम-

•केरल, लक्षद्वीप, कर्णाटक, तमिल नाडु, माहे,अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह, फ़ारस की खाड़ी।

•मलयालं का संधि-विच्छेद है - *मलै* (मूलशब्द : मलय - अर्थ : पर्वत) + *अळम* (मूलशब्द : आलयम - अर्थ : स्थान)।इसका सही उच्चारण 'मलयाळम्' होता है।

•**मलयालम** द्रविड़ भाषा परिवार के दक्षिण द्रविड़ उपसमूह की भाषा है।

• मलयालम का विकास तमिल से

• प्राचीनतम प्रमाण लगभग 830 ई. का एक अभिलेख

•मध्य 1997 में मलयालम भाषी लोगों की संख्या लगभग तीन करोड़ साठ लाख थी।